Piramal Foundation

Success story of Annu Kumari

“HAPPY WOMEN HAPPY FAMILY”

COMPASSION LEADS TO ACTION

Gender Based Violence

Annu Kumari, a family planning counselor at Sadar Hospital Muzaffarpur, Bihar, has dedicated 12 years to raising awareness and providing vital social services, particularly in handling gender-based violence (GBV) cases which is one of the most pervasive human rights violations in the world.
Through her extensive work, she has developed a deep understanding of the needs and expectations of survivors who come to the facility. She prioritizes needs and rights of the GBV survivors and provides support in every stage. She ensures that survivors should have the right to make decisions about receiving services, referrals, and how their information is used. Through her efforts, many survivors have been linked with One Stop Center of Women & Child Development Coorporation, Govt. of Bihar for legal aid, shelter, police assistance, psycho-social support and social security measures.

EDUCATING OVER GENDER

The two main types of survivors she assists include:

a) Emergency cases: Survivors experiencing physical or gender-based violence who come to the hospital for medico-legal examinations.

b) Counseling cases: Individuals who may be dealing with an illness alongside some form of violence, seeking emotional and psychological support.

In the last six months, following her GBV training, Annu Kumari conducted 37 counseling sessions, where she applied the LIVES tool (Listen, Inquire, Validate, Enhance safety, and Support) to offer first-line psycho social support. After completing her three days compassion training, she felt a renewed sense of personal connection and direction. Her approach goes beyond empathy, as she focuses on creating a compassionate human-to-human connection, giving survivors the time and care they need.

Her enhanced motivation and efficiency have positively influenced her work and inspired her colleagues. Annu Kumari's contributions are not only valued within her hospital but have also been recognized at the state level.

> "पिरामल फाउंडेशन के द्वारा Gender Based Violence पर मिले प्रशिक्षण ने मुझे पीड़ितों की मदद करने का नया तरीका सिखाया है। इसके बाद, सर्वाइवर को उनकी आवश्यकता और अपेक्षाओं के अनुसार सहायता देना शुरू किया, जिसमें सर्वाइवर को मानसिक सहयोग दिया जा रहा है और उन्हें सखी वन स्टॉप सेंटर से जोड़ने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। मैं पिरामल फाउंडेशन एवं टीम मेंबर वसीम अहमद को धन्यवाद देना चाहती हूँ।"
> -Annu Kumari

In recognition of her dedication, the Superintendent of the District Hospital awarded her a certificate in September 2024.

"Congratulations Annu Kumari! We are grateful for your exceptional work."

Annu Kumari receives an award from the District Superintendent Dr. B.S. Jha in recognition of her outstanding dedication and service.

Piramal Foundation

Glimps of Impact:

Piramal Foundation

Media Highlights

दैनिक भास्कर मुजफ्फरपुर 12-09-2024

सम्मानित : सदर अस्पताल की काउंसलर अनु को प्रशस्ति पत्र

मुजफ्फरपुर| सदर अस्पताल की काउंसलर अनु कुमारी को बुधवार को अधीक्षक डॉ. बीएस झा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वह परिवार नियोजन और घरेलू हिंसा से प्रताड़ित महिलाओं को उचित व त्वरित न्याय दिलाने में बेहतर कार्य कर रही हैं। अधीक्षक ने बताया कि अनु कुमारी ने लक्ष्य से अधिक महिलाओं का परिवार नियोजन के लिए प्रोत्साहित कर सफल बंध्याकरण कराया है। घरेलू हिंसा से प्रताड़ित 50 से अधिक महिलाओं को महिला हेल्थ लाइन के सहयोग से फिर से परिवार के साथ सुकून भरी जिंदगी जीने लायक बनाया है। इधर, सम्मानित होने पर अनु ने कहा कि वह पीड़ित व शोषितों की बेहतरी के लिए काम करती रहेंगी।

दैनिक भास्कर मुजफ्फरपुर 12-09-2024

मुजफ्फरपुर

मिलेगा न्याय • जेंडर बेस प्रोग्राम के तहत कमेटी का हुआ गठन, पीड़िताओं की करेगी काउंसलिंग

घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं की ओपीडी में होगी पहचान, दी जाएगी कानूनी सहायता

सदर अस्पताल में बैठक : हर तरह से पीड़िताओं की आवाज उठाई जाएगी

सिटी रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

ओपीडी में इलाज के लिए आनेवाली महिलाएं कहीं घरेलू हिंसा का शिकार तो नहीं है। उनके चेहरे पर खामोश उदासी, दुखी होना, चेहरे पर चोट के निशान आदि देखकर पहचान की जाएगी। इसके बाद उनकी काउंसलिंग कर पुलिस या महिला हेल्पलाइन के जरिए से उनका सहयोग किया जाएगा। इन महिलाओं को चिह्नित करने के लिए जेंडर बेस प्रोग्राम के तहत एक कमेटी गठित की गई है। सदर अस्पताल में बुधवार को अधीक्षक डॉ. बीएस झा के नेतृत्व में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। [illegible]

घरेलू हिंसा रोकने के लिए सदर अस्पताल में अधीक्षक के साथ बैठक करते कमेटी के सदस्य।

[illegible]

निर्णय: **सेफस्टेक में सुरक्षित रखे जाएंगे यौन हिंसा से जुड़े साक्ष्य**

[illegible]

Piramal Foundation

For more queries contact us

Connect regarding story :
Vasim Ahmad Khan
GBV Coordinator
(Based in Muzaffarpur & Sitamarhi)
+91-7376218646
vasim.khan@piramalswasthya.org

Connect for feedback :
Aiman Shahin
GBV & Diversity Team
aiman.shahin@piramalswasthya.org